गुवाहाटी तथा जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

# पूर्वांचल प्रहरी

उत्तर-पूर्व भारत का अग्रणी हिंदी दैनिक • नगर संस्करण •

Internet edition : http://www.glpublication.com

# कैंसर के इलाज में जयपुर के वैद्य का तहलका

## चमत्कारी सफलता का डंका विदेशों में भी

डेटलाइन इंडिया

जयपुर, १८ जुलाई । जयपुर के वैद्य नंदलाल तिवारी द्वारा खोजी गई दवा ने कैंसर के इलाज की दुनिया में तहलका मचा दिया है। तिवारी की खौफनाक कैंसर के उपचार में मिली चमत्कारी सफलता का डंका विदेशों में भी बजने लगा है। भारत के अलावा अमरीका, जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, अफ्रीका, दुबई, बहरीन, सिंगापुर, केन्या, पाकिस्तान, बेल्जियम आदि कई देशों के कैंसर रोगी तिवारी से उपचार कराने के बाद स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। विदेशों की प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं ने इन रोगियों के कैंसर से मुक्त हो जाने की पुष्टि की है। सुखद आश्चर्य की बात यह है कि इनमें से अधिकतर रोगी अंतिम अवस्था (लास्ट स्टेज) के कैंसर से पीड़ित थे।

तिवारी को मिली इस अपूर्व सफलता को देखकर विकसित देशों के प्रतिष्ठित चिकित्सालय भी उन्हें मरीज भेजने लगे हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में बने विश्व के प्रथम कैंसर चिकित्सालय दी रायल मार्सडन हास्पिटल (लंदन तथा सरे (ब्रिटेन) ने तिवारी की सेवाओं को लाभ उठाने की पहल की। दुनिया के इस नामी कैंसर अस्पताल, अ।ा। डाक्टर सीएस हामर तथा रजिस्ट्रार रिचर्ड बटेन ने लीवर कैंसर की रोगी सोफिया को उपचार के लिए तिवारी के पास भेजा। इस रोगी को अपेक्षाशित लाभ होने के बाद क्लीवलैंड (अमरीका) के विश्व प्रसिद्ध चिकित्सालय दी ग्रेल्स क्लिफ मेडिकल प्रैक्टिस के विशेषज्ञ डा. टी.ओ. केलोगन तथा डा. डी. लीच ने लंदन से रक्त कैंसर के इलाज के लिए कारगर उपचार के लिए तिवारी के पास भेजा। इसके पश्चात कैलीफोर्निया (अमरीका) के मशहूर चिल्ड्रेन्स हास्पिटल ने कैंसर पीड़ितों के उपचार में तिवारी की सेवाओं का लाभ लिया। इस क्रम में लंदन का वह नामी-गिरामी सेंट थामस हास्पिटल भी पीछे नहीं रहा, जिससे एफआरसीएस की चिकित्सकीय डिग्री लेना भारत समेत अनेक देशों के चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए बड़ी बात मानी जाती है। इस थामस हास्पिटल के रजिस्ट्रार निकलोसेफ ने अपने यहां भर्ती कैंसर रोगी के उपचार के लिए तिवारी को पत्र लिखा। अमरीका के रक्त कैंसर से पीड़ित के गोविंदराव के यहां आकर तिवारी से दवा ले जाने तथा उससे लाभान्वित होने के बाद कैलिफोर्निया के मजजीत सिंह ने भी तिवारी से उनकी बनाई आयुर्वेदिक औषधि कर्कटोल लेकर रक्त कैंसर से निजात पाई।

तिवारी के उपचार से कैंसर मुक्त हुए देश-विदेश के ऐसे कई रोगियों से साक्षात्कार कर ब्रिटेन की समुबेन अमलोथी ने इस करिश्माई कामयाबी पर एक वृत्त चित्र (डाक्यूमेंट्री) बनाया है। इस वीडियो फिल्म में कैंसर जैसे असाध्य माने जाने वाले रोग से ग्रस्त स्त्री-पुरुषों की रोग मुक्ति की सत्य कथाएं देख सुन कर महसूस होता है कि तिवारी ने विचित्र किंतु सत्य के अंदाज में असंभव को संभव कर दिखाया है।